मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–014

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.वी.एस.-014 : प्रासाद, ग्राम एवं नगरवास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $3 \times 20 = 60$

1. मन्दिर-निर्माण की विभिन्न शैलियों पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

2. मूर्ति निर्माण के स्रोत, द्रव्य, परिमाप एवं स्वरूप पर ग्रन्थोक्त दिशा से सुविस्तृत चर्चा कीजिए।

3. दुर्ग एवं सैन्य शिविर निर्माणादि पर विस्तार से चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

4. नगर के भेदों का वर्णन करते हुए इसकी वास्तु योजना पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

5. दकार्गल विचार क्या है ? ग्रन्थोक्त प्रकार से विस्तारपूर्वक आलेख लिखिए।

6. भुवनकोश का सुविस्तृत परिचय देते हुए इसके महत्व का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. मन्दिर हेतु शुभ एवं अशुभ भूमि के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

8. ग्राम के भेदों का वर्णन कीजिए।

9. रोग निवारण में सहायक वास्तुशास्त्र से सम्बन्धित प्रमुख सूत्रों को लिखिए।

10. वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूतों के महत्व पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।

11. मन्दिर वास्तु के प्रमुख अंगों पर संक्षेप में चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

12. 'वास्तुशास्त्र एवं फेंगसुई' विषय पर शास्त्रीय चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

13. वास्तुशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।

14. आधुनिक सन्दर्भ में वास्तुशास्त्र की उपादेयता बताते हुए वास्तुशास्त्र की दिशा एवं दशा पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×